

विचार बिन्दु

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। -हरिवंश राय बच्चन

जलवायु परिवर्तन के खतरनाक परिणाम सामने आने लगे हैं

बी ता 2022 का साल एक असाधारण वर्ष था। लगभग आधी सदी बाद पहली बार चांद पर कोई यान फिर उतारा गया। वैज्ञानिकों ने 'जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप' के जरिये ब्रह्मांड में पहले से कहीं अधिक दूर गहराई तक झांक कर उसकी रचना और निर्माण की खोज करने का इतिहास रचा। वैज्ञानिकों ने गहरे अंतरिक्ष की खोज करने के लिये करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर तक ही नहीं झांका, बल्कि साथ ही साथ अपनी पृथ्वी की ओर भी दृष्टि डालना जारी रखा।

उन्होंने पिछले साल पृथ्वी पर क्या देखा? बहुत कुछ देखा। जो देखा वह डरावना है। मानव पर्यावरण के साथ जैसा खिलवाड़ कर रहा है उसकी जानकारी वैज्ञानिकों के अध्ययनों में सामने आई है। यह जानकारी धरती पर मानव के भविष्य के लिए चेतावनी देती है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के अध्ययन बताते हैं कि बीते साल जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन एक बार फिर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गये हैं। पिछले साल जुलाई में 'एमिट' नाम का एक नया उपकरण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को भेजा गया।

यह यंत्र विभिन्न स्रोतों से आने वाली एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन, जिसे 'सुपर एमिट्ट' की तरह पहचाना जाता है, के उद्गम स्थानों का पता लगाता है। यह तो अब जग जाहिर है कि मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों जलवायु प्रणाली में अनावश्यक गर्मी बनाये रखती हैं जिससे धरती की सतह का तापमान बढ़ता है। पिछला वर्ष, 1880 के बाद पृथ्वी के पांचवें सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज हुआ। साथ ही इस सदी के पिछले नौ लगातार वर्ष सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज हुए हैं। धरती के बढ़ते तापमान ने पिछले साल दुनिया भर में अलग-अलग जगहों पर उत्पात मचाया, कहर ढाया। नेशनल ओशनिक एण्ड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओए) और नासा के विश्लेषणों के अनुसार जलवायु प्रणाली में अधिकांश अतिरिक्त गर्मी समुद्र में बनी है। उनके आंकड़े बताते हैं कि 2022 में समुद्र की गर्मी के नये रिकॉर्ड बने। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह बड़ी हुई समुद्री गर्मी तीव्र उष्णकटिबंधीय तूफानों को बढ़ावा दे सकती है। इसे हमने पिछले सितंबर में तूफान 'इयान' के रूप में देखा था। अमरीका में 'इयान' एक उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में आया और 2.4 घंटे के भीतर तेजी से तूफानों की भीषण तीव्रता को संख्या चार की श्रेणी में तब्दील हो गया। यह तूफान अमेरिका में तबाही के लिहाज से अब तक के सबसे बड़े तूफानों में से एक माना जा रहा है।

जब जलवायु प्रणाली गर्म होती है तब वातावरण में अधिक नमी बनती है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक तीव्रता वाली भारी वर्षा होती है। पिछले साल जून से सितंबर तक हमने पड़ोसी पाकिस्तान में उसका तांडव देखा। लंबे समय तक और भारी मानसूनी बारिश के कारण वहां पिछले एक दशक की सबसे भीषण बाढ़ आई जिससे वहां जबरदस्त तबाही मची। बढ़ती गर्मी से न केवल वातावरण में अधिक पानी बनता है और भारी बारिश होती है, बल्कि उससे मिट्टी की नमी को भी नुकसान पहुंचता है। इससे सूखे के हालात बढ जाते हैं। पिछले साल अमेरिका के पश्चिम में सूखा पड़ा जिसके कारण उसके लोक मीड और लोक पविल जैसे महत्वपूर्ण जलाशयों की क्षमता गिर कर केवल 27 प्रतिशत तक रह गई। शुष्क और गर्म परिस्थितियों का परिणाम जंगल में लगने वाली आग के खतरों के बढ जाने में भी होता है।

जनवरी में लंबे समय से चली आ रही गर्मी और सूखे के दौरान, अर्जेंटीना के कोरिएटोस प्रांत में आग लगने की एक हजार से अधिक घटनाएं हुईं। इसने अमरीका के इबेरा राष्ट्रीय उद्यान और आसपास के खेतों की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि को नष्ट कर दिया। ऐसे हालात अमरीका के हैं जहां उन्नत प्रौद्योगिकी है और प्रकृति की प्रत्येक हलचल पर वैज्ञानिक पल-पल नज़र रखते हैं। जलवायु परिवर्तन का असर कुछ देशों को नहीं, वरन् समूची दुनिया पर पड़ता है। कोई देश यह सोच कि वह प्रकृति की मार से बच जाएगा तो यह उसकी खाम-ख्याली होगी। अमेरिकी भूभौतिकीय संघ की 2022 की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत जीआईएसएसए शोध के साथ-साथ एक अलग अध्ययन और आया है जिसके अनुसार, आर्कटिक क्षेत्र में वार्षिक प्रवृत्तियों सबसे अधिक प्रभाव नज़र आ रहा है। यह वैश्विक औसत के चार गुना के करीब है। दुनिया भर के समुदाय उन सभी प्रभावों को महसूस कर रहे हैं जिन्हें वैज्ञानिक गर्म

पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करने, अक्षय ऊर्जा, जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली के उपायों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। तभी ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके लिए मजबूती से लगातार प्रयत्न करते रहने की जरूरत है।

अन्य अनुमानों के अनुरूप ही है। इसलिए उनकी विश्वसनीयता पर कोई विवाद नहीं है। समय के साथ वैश्विक तापमान कैसे बदलते हैं, यह समझने के लिए नासा 1951 से 1980 की अवधि को आधार रखा के रूप में उपयोग करता है। उस आधार रखा में 'ला नीना' और 'एल नीना' जैसे जलवायु पैटर्न भी शामिल हैं। इनके साथ ही अन्य कारकों में असामान्य रूप से गर्म या ठंडे वर्ष भी शामिल किये जाते हैं। इसमें पृथ्वी के तापमान में प्राकृतिक भिन्नताओं को भी शामिल किया जाता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि किसी भी वर्ष में औसत तापमान को कड़ काक प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में 'ला नीना' की स्थिति के लगातार तीसरे वर्ष बानाने के बावजूद वर्ष 2022 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्षों में से एक था। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 'ला नीना' के शीतलन प्रभाव ने वैश्विक तापमान को थोड़ा कम (लगभग 0.11 डिग्री फ़ारेनहाइट या 0.06 डिग्री सेल्सियस) किया हो सकता है, जो औसत से अधिक सामान्य समुद्री परिस्थितियों में होता। एक अलग, स्वतंत्र विश्लेषण करके निकालने वाले अमेरिकी के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओए) जिसने 2022 के लिए वैश्विक सतह का तापमान 1880 के बाद से पांचवां उच्चतम बताया है वैज्ञानिक अपने विश्लेषण में समान रूप से तापमान के कच्चे डेटा का अधिक उपयोग करते हैं। वे एक अलग आधारभूत अवधि (1901-2000) और पद्धति अपनाते हैं। हालांकि कुछ खास वर्षों के लिए रैकिंग के रिकॉर्ड के बीच थोड़ी भिन्नता हो सकती है मगर वे व्यापक तौर पर दीर्घकालिक ग्लोबल वार्मिंग को दर्शाते हैं। नासा के 2022 तक वैश्विक सतह के तापमान के पूर्ण डेटासेट का वैज्ञानिकों ने कैसे विश्लेषित किया वह उसका कोड सहित पूर्ण विश्लेषण सांख्यिकीय रूप से जियोग्राफिक इनफार्मेशन सिस्टम पर उपलब्ध है। यह नासा की एक प्रयोगशाला है जिसका प्रबंधन मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एजेंसी के गोडार्ड स्पेस एनवायर्ड सेंटर के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग द्वारा किया जाता है। यह प्रयोगशाला न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अर्थ इंस्टीट्यूट और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंस से संबद्ध है।

जलवायु का आसन्न संकट धरती के किसी एक भूभाग के लिए नहीं है। वह सभी को प्रभावित करने वाला है। यह सम्पूर्ण मानव जगत का सामूहिक संकट है जिसे सामूहिक तरीके से ही निबटा जा सकता है। यही कारण है कि अंतरिक्ष से पृथ्वी पर नज़र रखने वाला अंतरिक्ष विज्ञान का संस्थान अपनी जानकारियों का सबसे साझा करता है। समाधानों को बढ़ावा देने के लिये वह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जानकारी का ओपन डेटा उपलब्ध कराता है। जैसा कि हमने देखा है कि जलवायु का गरम होना हम सभी को प्रभावित करता है और इसका मुकाबला करने के लिए हम सभी को आगे बढ़ना है। जैसा कि 2022 और उसके पिछले वर्षों में वैज्ञानिकों ने जो आंकड़े दिये उनसे अब विश्व के सभी देश जलवायु की चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने लगे हैं और समझने लगे हैं कि उनका सामना करना कितना महत्वपूर्ण है। अब यह सबको भली भाँति समझ में आ गया है कि ग्रीन हाउस प्रभाव की वजह से पैदा होने वाली ग्लोबल वार्मिंग आने वाले समय में मानवजाति की सबसे बड़ी चुनौती है। धीरे-धीरे यह भी सबको साफ होता जा रहा है कि जल्द ही कुछ करने की जरूरत है ताकि धरती को गरम होने से रोका जा सके। ऐसी प्राकृतिक आपदा जो मानव के हस्तक्षेप से आती है। यह वक़्त उसे रोकने के उपाय करने का है। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिये मुख्य रूप से सी.एफ.सी. गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा और इसके लिये फ्रिज, एयर कंडीशनर और दूसरे कुलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिससे ऐसी गैस कम निकलती हों। औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं भी हानिकारक होता है। साथ ही वाहनों में से निकलने वाला धुआं भी पर्यावरण को बिगाड़ता है। रासायनिक इंधनों से निकलने वाला कचरा और जंगलों में पैड़ों की अंधाधुंध कटाई भी धरती के तापमान को बढ़ाने में योगदान दे रही है। ऐसे में पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करने, अक्षय ऊर्जा, जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली के उपायों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। तभी ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके लिए मजबूती से लगातार प्रयत्न करते रहने की जरूरत है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोडा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजनीति में अपराधियों का खात्मा हो सकता है क्या?



महावीर सिंह

राजनीति में अपराधियों के बोलबाले पर 30 साल से अधिक समय से बहस हो रही है। जाने-माने विधिवेत्ताओं ने, राजनीति में शुचिता के पक्षधर चिंतकों-लेखकों-एक्टिविस्टों-आम जन ने, चुनाव अयोग के नामचीन मुख्य आयुक्तों आदि ने समय-समय पर बहुत सारे सुझाव दिए किन्तु अभी तक इस दिशा

में कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया है। चुनाव आयोग तो यह कह कर पल्ला छड़ लेता है कि इस सम्बंध में कानून बनाने व संसोधन का अधिकार संसद के पास है। संसद में चिंता जरूर व्यक्त कर दी जाती है किंतु कानून बनाने में, दृढ़ इच्छा शक्ति के अभाव में, अभी तक कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया। मतदाता के पास तो अपराधी प्रत्याशियों को हराने के अधिकार केवल 5 साल में आता है। उस समय विभिन्न क्षेत्रीय, जातीय, व्यक्तिगत मुद्दे और धनबल, अपराधियों का डर, राजनेताओं से उनकी नजदीकी आदि हावों हो जाते हैं। आम आदमी को परीसा ही नहीं कि राजनीतिक पार्टियों से ऐसा मर्जिदान दुर्दांत अपराधियों से सरकार-राजनेता उसकी सुरक्षा कर सकते हैं। उसके लिए स्वयं की और अपने परिवार की सुरक्षा सर्वोपरि है।

अतः राजनीति के अपराधीकरण रोकने की प्रभावी पहल केवल

राजनीतिक दल या चुनाव आयोग व संसद ही कर सकते हैं। राजनीतिक दलों के जो विचार, मन्तव्य, कार्यप्रणाली इन वर्षों में सामने आए हैं उनके अनुसार उन्हें, केवल और केवल चिंता यह होती है कि सदनों में उनके अधिकाधिक सदस्य चुन कर आ जाएं उन्हें इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपराधियों-बाहुबलियों-माफियाओं व अकूत काले धन वालों को टिकट देने में कोई गुरेज नहीं होता। पैमाना प्रत्याशी की जिताऊ होने की क्षमता होती है, बाकी सब बातें बाद की।

संसद में कानून बनाने, संशोधन करने की परम शक्ति निहित है किन्तु संसद ने तो पिछले कई दशकों से ऐसा किया नहीं क्योंकि कोई राजनीतिक दल ऐसा करना चाहते ही नहीं। संसद में तो वही होगा जो बहुत मत चाहेगा। अभी तक का तो अनुभव यही कहता है कि संसद में कोई दल इस विषय पर गम्भीर नहीं। समय-समय पर विभिन्न

राजनेताओं व निहित स्वार्थ वालों के इस विषय पर विचार सामने आते हैं। उनके अनुसार चुनाव लड़ना किसी नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए बिना न्यायिक निर्णय के उन्हें चुनाव लड़ने से बाधित नहीं किया जा सकता है। राजनीतिक दल भी इसी तर्क को ढाल बनाकर दुर्दांत अपराधियों को पोषित करते हैं कि केवल आरोप ही तो है, दोषसिद्धि थोड़े ही हुई है। सभी राजनीतिक दल अपराधियों के पक्ष में तो कई तर्क दे देंगे किन्तु क्या जिस व्यक्ति के विरुद्ध हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे गम्भीर अपराध हुए हैं, उस व्यक्ति का अधिकार परिवार का कोई अधिकार नहीं है क्या? या वे लोग केवल, कोर्टों में पेशी दर पेशी धुगतार रहे और अंत में दुर्दांत अपराधी गवाहों को तोड़ ले, गायब कर दे, मन माफिक गवाही दिला कर धुक्काभोगियों को अंगूठा दिखाते हुए बाइजजत बरी होने का ठप्पा लगावा ले।

अब बचा चुनाव आयोग सही है चुनाव आयोग को संसद वाले अधिकार तो नहीं।

लेकिन कल्पना करें कि चुनाव आयोग में कोई शेषन फिर से आ जाए और एक आदेश निकाल दे कि जिस व्यक्ति के विरुद्ध हत्या, बलात्कार, अपहरण व सात साल या आदिम के मामले में सक्षम न्यायालय में बाद सुनवाई अपराध से सम्बंधित बिंदु तय हो गए और किसी ऊपरी अदालत का स्थगन आदेश नहीं है तो उनका चुनाव लड़ने हेतु नामांकन का पर्चा अस्वीकार होगा। कोना सा ऐसा राजनीतिक दल, सिविल एक्टिविस्ट समूह होगा जो इसे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में चेलेंज करेगा? कौन सा ऐसा राजनीतिक दल होगा जो इसे संसद में पलटवाने के लिए कानून बनवाने की कार्यवाही प्रारम्भ करवाएगा?

-महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

बीकानेर स्थापना दिवस पर प्रदर्शित होगी ऊंट की खाल से बनी दुनिया की सबसे छोटी पतंग

बीकानेर, (निसं)। ऊंट की खाल पर बनी दुनिया की सबसे छोटी पतंग बीकानेर स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी। इस

■ इस पतंग का आकार मात्र एक एम एम है, इस पतंग पर 22 कॅरेट गोल्ड स्वर्ण नक्काशी उस्ता कार्य किया गया है

■ मथेरण व उस्ता कला के भित्ति चित्रों की 100 फोटोग्राफ भी कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी

पतंग का आकार मात्र 1 एम एम है। इस पतंग पर 22 कॅरेट गोल्ड स्वर्ण नक्काशी उस्ता कार्य किया गया है। बीकानेर के 535वें स्थापना दिवस के मौके पर जिला प्रशासन नगर विकास न्यास नगर निगम व देवस्थान के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी में एक नया कार्य मास्टर क्राफ्ट मैन शौकत अली उस्ता पुत्र रहीम बक्स उस्ता जो भारत सरकार द्वारा उस्ता कला में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता है, द्वारा प्रदर्शित करेंगे। उस्ता कला को आगे बढ़ाने और कुछ नया कर दिखाने के लिए उस्ता ने इस बार एक नया कौतूबान तैयार किया है।

प्रदर्शनी के संयोजक अजीज भुट्टा ने बताया कि ऊंट की खाल पर दुनिया की सबसे छोटी बनी पतंग के दोनों



यह पतंग बीकानेर स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली कला प्रदर्शनी में शामिल होगी।

तरफ सुनहरी नक्काशी की गई है। पतंग के एक तरफ 22 कॅरेट गोल्ड से बीकानेर का नक्शा बनाया है तो दूसरी तरफ उस्ताकला से तैयार स्थापना

दिवस लिखा है जो लेंस जरिये ही देखा जा सकता है। दूसरी पतंग 21 गुणा 21 सेंटीमीटर की बनी हुई है जिसके दोनों तरफ उस्ता कला नक्काशी 22 कॅरेट

गोल्ड से तैयार की है। जिसके एक तरफ देशनोक की करणीमाता का चित्र व जुनागढ़ किला बनाया गया है यह दोनों चित्र एक तरफ ही है। जिसमें

करणीमाता को बीकानेर पर आशीर्वाद देते हुए दिखाया गया है। पतंग के दूसरी तरफ उस्ता कला नक्काशी के साथ राजस्थान की शान ऊंट को दिखाया गया है। दोनों पतंगों पर ओर (घामा) से कनिया भी लगाया हुआ है। उस्ता कलाकारी और हुनर की बढौलत ही उन्होंने विश्व में बीकानेर का डंका बजाया है। बीकानेर का नाम विश्व में प्रसिद्ध किया। शौकत उस्ता ने इस कला की बारीकियों का ज्ञान मोहम्मद हनीक उस्ता से लिया इनकी यह कला पीढ़ी दर-पीढ़ी चली आ रही है।

शौकत उस्ता बीकानेर की लुप्त होती उस्ता कला को बचाने का निरन्तर कार्य करते आ रहे हैं तथा समय-समय पर सरकारी व गैर सरकारी प्रशिक्षण देने का कार्य भी करते हैं।

शौकत ने कहा कि बीकानेर के युवा जहां प्रतिभा से भरपूर हैं। वहीं के उन्हें अपनी कला दिखाई व अपने कोशल को चमकाई के लिए एक मंच प्रदान करने की आवश्यकता है। संयोजक के अनुसार प्रदर्शनी मथेरण कला, उस्ता कला व फोटोग्राफी भी इन दोनों कलाओं से संबंधित अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडल प्रतियोगिता बुट्टा द्वारा लिए गए 100 भित्ति चित्रों के फोटोग्राफ्स भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस तरह के फोटो पहली बार किसी प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी के उप संयोजक डॉक्टर मोहम्मद फारूख चौहान ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन 19 अप्रैल की सुबेरे दस बजे होगा। प्रदर्शनी रोजाना सुबेरे 10 बजे से सायं 8 बजे तक आम दर्शकों के लिए निशुल्क खुली रहेगी।

तौफिक पहलवान ने कुश्ती जीती

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के बिलाली सड़क मार्ग पर स्थित कानूनगो वाले हनुमान जी महाराज का मेला मंगलवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। मेले के दौरान सुबह से मॉर्निंग में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा की पूजा-अर्चना और प्रसाद चढ़ाकर मसौती मांगी। मेले में दोपहर बाद कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ, कामड़े की कुश्ती चांदौली के तौफिक पहलवान और राजेश पहलवान माजरा के मध्य हुई। विजेता तौफिक पहलवान को मेला कमेटी द्वारा 51 सौ रूपये देकर सम्मानित किया गया। मेला कमेटी की ओर से भण्डारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी पाई। मेले में भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव के साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति की मदद से प्रदेश में 49 वां बाल विवाह निरस्त हो गया। दैनिक मजदूर की बेटी करीब 19 वर्षीय सुहानी (बदला हुआ नाम) का बाल विवाह करीब 6 साल पहले महज 13 साल की उम्र में समाज के दबाव में करवा दिया गया था। सुहानी प्रशासनिक अधिकारी बनने का ख्याब संजोए थी। उसको खुद के ख्याब टूटते

सारथी ट्रस्ट की मदद से "सुहानी" बाल विवाह से मुक्त हुई

जोधपुर, (कासं)। सूर्यनगरी में एक और बालिका वधु ने बाल विवाह के खिलाफ जंग जीत ली। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने आखातीज से पहले बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया

■ जोधपुर पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश ने आखातीज से पहले बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया

भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उसने डॉ. कृति से मुलाकात कर पीड़ा बयां की। डॉ. कृति भारती ने पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में करीब 5 माह पहले सुहानी के बाल विवाह निरस्त का वाद दायर किया।

डॉ. कृति भारती ने पैरवी कर न्यायालय को बाल विवाह के तथ्यों और दस्तावेजों से अवगत कराया। जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने बालिका वधु सुहानी के 6 साल पहले महज 13 साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। न्यायाधीश मोदी ने समाज को बाल विवाह के खिलाफ खड़ा संदेश देते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करना सरासर पातल है।

देश सालों से बाल विवाह की कुप्रथा में जकड़ा हुआ है। इसके खान्दे के लिए समेकित प्रयास करने जरूरी है। बाल विवाह निरस्त के फैसले पर सुहानी खुशी से उछल पड़ीं और डॉ. कृति से लिपट गईं।

■ सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति की मदद से प्रदेश में 49 वां बाल विवाह निरस्त हुआ

दिवे। इधर लगातार छह साल तक सरसुराल वालों ने लगातार गौना करने का दबाव बनाया और धमकियां दी तो अनसाद से धिर गईं। चबराहट में स्कूल जाना तक छूट गया। हर पल भविष्य की चिंता सता रही थी। सुहानी को बाल विवाह की करीब 6 साल तक पीड़ा झेलने के बीच एक कोचिंग संस्थान के यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में बीबीसी की 100 प्रेरणादायी महिलाओं व वर्ल्ड टॉप टैने एक्टिविस्ट सूची में शुमार सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति

सालभर से पेयजल सप्लाई बंद

खिरोड़, (निसं)। मोहनवाड़ी ग्राम पंचायत की रणवां की ढाणी में सार्वजनिक रूप से बनाई गई टचयूबवैल एक वर्ष से खराब अवस्था में पड़ी होने से क्षेत्र की जनता को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ढाणी के ग्रामीण भोपाल सिंह के मुताबिक जलदाय विभाग द्वारा लगाई गई टचयूबवैल पिछले एक वर्ष से बंद पड़ी रहने से ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस धरकर गर्मी के मौसम में लोग पीने के पानी के लिए दूर दराज से 1-2 मटके लाकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस टचयूबवैल की मोटर अंदर नीचे चली जाने से टचयूबवैल खराब पड़ी है। इस समस्या को लेकर जलदाय विभाग के संबंधित जेईएन, एईएन सहित उच्च अधिकारियों एवं टाम पंचायत सरपंच को भी अवगत कराया जा चुका है। मगर अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस टचयूबवैल को ठीक करवाने की मांग की है।



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल

बुधवार 19 अप्रैल, 2023

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2080, रेवती नक्षत्र रात्रि 11:53 तक, वैधृति योग दिन 3:24 तक, शुकुनी करण दिन 11:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:53 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरु-मीन, शुक-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज पितृ अमावस्या, अन्वाधान शब्दे कद्र हो। पंचक रात्रि 11:53 पर समाप्त होगा। आज मृत्युयोग रात्रि 11:53 से सूर्योदय तक और वैशृति पुण्यम है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:48 से 12:26 तक, चर 3:56 से 5:09 तक, लाभ 5:09 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अग्नल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपादित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रभाव होगा। व्यावसायिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। ईर्ष्या-वैमनस्य के कारण परिशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। नौकरपेशा व्यक्तियों में प्रभाव-प्रशुल्ल रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परिशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष और पन बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्यों बने लगे। संपादित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना बनेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। अटक हुए कार्यों बने लगे। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को निष्पत्ता करने में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।